भारत का धन प्रेषण रुझान 2024

प्रलिमि्स के लयि:

[भारतीय रज़िर्व बैंक](), [धन प्रेषण](), [खाड़ी सहयोग परषिद, रुपया आहरण व्यवस्था, उदारीकृत प्रेषण योजना]()

मेन्स के लयि:

धन प्रेषण रुझान, धन प्रवाह पर वैश्वकि आर्थकि बदलावों का प्रभाव, वदिेशी मुद्रा

स्रोत: TH

चर्चा में क्यों?

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) के भारत के **धन प्रेषण सर्वेक्षण (2023-24) के छठे दौर** में यह बात सामने आई कि विकिसति अर्थव्यवस्थाएँ (AI), वशिष रूप से अमेरकिा और यूनाइटेड कगिडम (UK), भारत में [धन प्रेषण]() में शीर्ष योगदानकर्त्ता के रूप में **खाड़ी देशों** से आगे नकिल गए हैं।

भारत के धन प्रेषण सर्वेक्षण के 6वें दौर के प्रमुख नष्किर्ष क्या हैं?

- **धन प्रेषण के स्रोत:** भारत का कुल धन प्रेषण दोगुने से भी अधकि हो गया है, जो**वर्ष 2010-11** में **55.6 बलियिन अमेरकिी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 118.7 बलियिन अमेरकिी** डॉलर हो गया है।
- **वर्ष 2023-24 में अमेरकिा 27.7% के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (USA) 19.2% के साथ दूसरे स्थान पर है।**
- **ब्रटिेन, सगिापुर, कनाडा और ऑस्ट्रेलयिा सहति वकिसति अर्थव्यवस्थाओं ने 50% से अधकि का योगदान दयिा।**
- ब्रटिेन की हस्सिेदारी 3.4% (2016-17) से बढ़कर 10.8% हो गई, जो भारतीय प्रवास में वृद्धि के कारण हुई तथा ऑस्ट्रेलयिा 2.3% के साथ एक प्रमुख स्रोत के रूप में उभरा।
- खाड़ी सहयोग परषिद (GCC) देशों (UAE, सऊदी अरब, कुवैत, कतर, ओमान, बहरीन) की कुल हस्सिेदारी 38% (2023-24) है, जो लगभग 47% (2016-17) से कम है।
- धन प्रेषण का राज्यवार वतिरण: महाराष्ट्र (20.5%) शीर्ष प्राप्तकर्त्ता रहा, उसके बाद केरल (19.7%) का स्थान है।
- अन्य प्रमुख राज्यों में तमलिनाडु (10.4%), तेलंगाना (8.1%) और कर्नाटक (7.7%) शामलि हैं। पंजाब और हरयिाणा में भी वृद्धि देखी गई।
- धन-प्रेषण हस्तांतरण का तरीका: रुपया आहरण व्यवस्था (RDA) आवक धन प्रेषण के लयि प्रमुख चैनल बनी हुई है, इसके बाद [प्रत्यक्ष वोस्ट्रो हस्तांतरण]() और फनिटेक प्लेटफॉर्म का स्थान है।
- डजिटिल धन प्रेषण बढ़ रहा है, जो वर्ष 2023-24 में कुल लेनदेन का 73.5% होगा।

भारत में धन प्रेषण के स्रोत में बदलाव के क्या कारण हैं?

- **उन्नत भारतीय उद्योगों में मजबूत रोज़गार बाज़ार:** अमेरकिा**, ब्रटिेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलयिा उच्च वेतन वाली नौकरयिों की** , वशिष रूप से कुशल भारतीय प्रवासयिों के लयि, पेशकश करते हैं।
- **कोवडि-19 के बाद अमेरकिी नौकरी बाज़ार में सुधार हुआ, जसिके परणिामस्वरूप भारतीय पेशेवरों से अधकि धन प्रेषण हुआ।**
  - **यूके-भारत प्रवासन और गतशिीलता भागीदारी (MMP)** ने भारतीयों के लयि कार्य वीजा प्राप्त करना आसान बना दयिा, जसिके परणिामस्वरूप, यूके में भारतीय प्रवासन वर्ष 2020 में **76,000 से बढ़कर 2023 में 250,000** हो रहा।
  - **कनाडा की एक्सप्रेस एंट्री** और **ऑस्ट्रेलयिा की आव्रजन प्रणाली** कुशल भारतीय पेशेवरों को तरजीह देती है, जसिसे उच्च वेतन वाली नौकरयिाँ मलिती हैं तथा धन प्रेषण में वृद्धि होती है।
- **GCC में रोजगार के अवसरों में गरिावट:** कई भारतीय प्रवासी **कोवडि-19 के दौरान खाड़ी देशों** से वापस लौटे तथा बाद में बेहतर वत्तिीय अवसरों के लयि अरेबयिन देश चले गए।
- **इसके अतरिक्ति, आर्थकि ववििधीकरण और स्वचालन ने खाड़ी क्षेत्र में कम कुशल भारतीय श्रमकिों की मांग को कम कर दयिा है।**
- **इस बीच, नतिाकत (सऊदी अरब) और अमीरातीकरण (यूएई) जैसी राष्ट्रीयकरण नीतयिाँ स्थानीय श्रमकिों के पक्ष में हैं, जसिसे प्रवासयिों**

के लिये नौकरी की संभावनाएँ सीमित हो रही हैं।

- भारत में प्रवासन प्रारूप में बदलाव: केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्य अब खाड़ी देशों की तुलना में एशियाई देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं।
    - उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान से बड़ी संख्या में श्रमिक खाड़ी देशों में भेजे जा रहे हैं, जिससे **दक्षिणी राज्यों की तुलना में उनकी शैक्षिक योग्यता** कम है, जिससे कृत्रिम बुद्धि वाले देशों में कुशल नौकरियों के लिये पात्रता कम हो गई है।
- **शिक्षा-प्रेरित प्रवासन और धन विप्रेषण में वृद्धि:** AE में भारतीय छात्रों की बढ़ती संख्या ने धन विप्रेषण को भी बढ़ावा दिया है। कई छात्र काम के लिये यहीं रहते हैं और घर पैसे भेजते हैं।
    - कनाडा में 32% भारतीय छात्र रहते हैं, उसके बाद अमेरिका (25.3%), ब्रिटेन (13.9%) और ऑस्ट्रेलिया (9.2%) का स्थान आता है।

विप्रेषण

- **परिचय:** धन विप्रेषण विदेशी श्रमिकों द्वारा अपने देश में अपने परिवारों की सहायता के लिये भेजी गई धनराशि है, जो घरेलू आय और अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
    - वर्ष 2024 में, भारत को रिकॉर्ड **129.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का धन विप्रेषण प्राप्त हुआ, जो किसी भी देश के लिये एक वर्ष में अब तक का सबसे अधिक धन है, जो **वैश्विक धन विप्रेषण का 14.3%** है। मेक्सिको और चीन अगले सबसे बड़े प्राप्तकर्त्ता हैं।
- **नियामक ढाँचा:** [विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999] भारत में सभी विदेशी मुद्रा लेनदेन को नियंत्रित करता है।
    - **FEMA** के एक भाग, [उदारीकृत विप्रेषण योजना (LRS)] के अंतर्गत, भारतीय निवासी व्यक्तिगत और निवेश उद्देश्यों के लिये **प्रति वर्ष 250,000 अमेरिकी डॉलर** तक धन विप्रेषित कर सकते हैं, तथा इससे अधिक राशि के लिये **RBI की मंजूरी** की आवश्यकता होगी।
    - हालाँकि, **LRS जुआ, सट्टा व्यापार और आतंकवादी वित्तपोषण के लिये धन विप्रेषण पर प्रतिबंध लगाता है।**
- विप्रेषणों को **भुगतान संतुलन (BoP) के चालू खाते के अंतर्गत एकपक्षीय हस्तांतरण** के रूप में दर्ज किया जाता है। वे विदेशी आय प्रवाह का प्रतिनिधित्व करते हैं जो **देनदारियों का निर्माण नहीं** करते हैं।

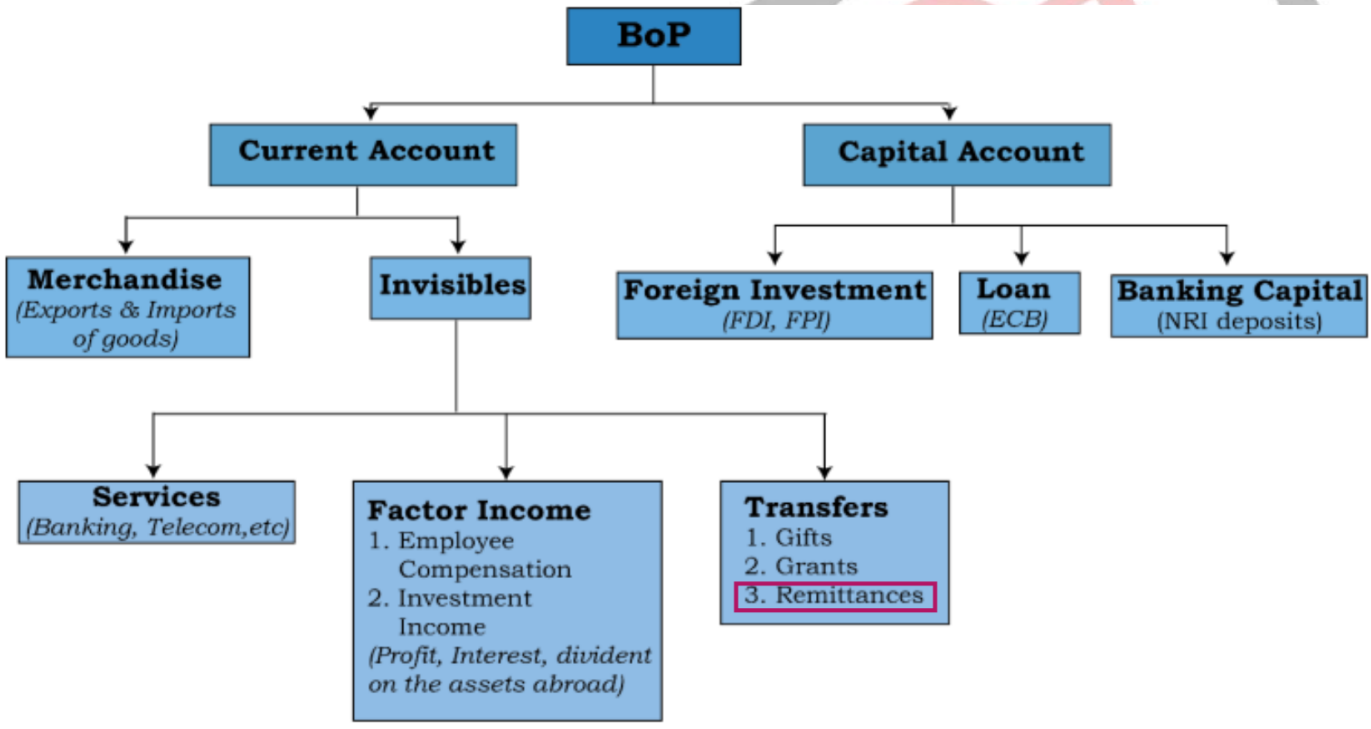

??????? ????? ???????:

प्रश्न. भारत के विप्रेषण और घरेलू श्रम बाज़ार पर बदलते प्रवासन रुझान के प्रभाव का विश्लेषण कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा पूंजी खाता है? (2013)

1. विदेशी ऋण
2. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
3. निजी प्रेषण
4. पोर्टफोलियो निवेश

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (b)

प्रश्न. डिजिटल भुगतान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. BHIM एप उपयोग करने वालों के लिये यह एप UPI सक्षम बैंक खाते से किसी को धन अंतरण करना संभव बनाता है।
2. जहाँ एक चिप-पिन डेबिट कार्ड में प्रमाणीकरण के चार घटक होते हैं, BHIM एप में प्रमाणीकरण के सिर्फ दो घटक होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन 'एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI)' को लागू करने का सबसे संभावित परिणाम है? (2017)

(a) ऑनलाइन भुगतान के लिये मोबाइल वॉलेट की आवश्यकता नहीं होगी।
(b) डिजिटल मुद्रा लगभग दो दशकों में भौतिक मुद्रा को पूरी तरह से प्रतिस्थापित कर देगी।
(c) FDI के प्रवाह में भारी वृद्धि होगी।
(d) निर्धन लोगों को सब्सिडी का सीधा हस्तांतरण अधिक प्रभावी हो जाएगा।

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न. 'अमेरिका एवं यूरोपीय देशों की राजनीति और अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रवासियों को एक निर्णायक भूमिका निभानी है'। उदाहरणों सहित टिप्पणी कीजिये। (2020)